PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक

भीम प्रज्ञा

सोमवार, 26 जनवरी, 2026

www.bheempragya.in वर्ष-1 अंक-67 झुंझुनू (राजस्थान) Email.bheempragya@gmail.com पृष्ठ-8 मूल्य: 5.00

गणतंत्र दिवस की बधाई

माननीय पाठकों–विज्ञापनदाताओं को देश के राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस की ढेर सारी बधाई।

अवकाश की सूचना

गणतंत्र दिवस के अवसर पर 26 जनवरी को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अत: अगला अंक 28 जनवरी को प्राप्त होगा।

– संपादक

सीएम भजनलाल शर्मा ने किया ध्वजारोहण

अमर जवान ज्योति पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । देश के 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी जयपुर में उत्साह, देशभक्ति और गरिमा का माहौल देखने को मिला। शहर भर में सरकारी, राजनीतिक और सामाजिक संस्थाओं की ओर से अलग-अलग स्थानों पर ध्वजारोहण और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य स्तरीय कार्यक्रमों की श्रृंखला सुबह से ही जारी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गणतंत्र दिवस की शुरुआत सुबह 7:30 बजे मुख्यमंत्री निवास पर ध्वजारोहण के साथ की। इसके बाद वे सुबह 8 बजे बड़ी चौपड़ पहुंचे, जहां आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह में उन्होंने ध्वजारोहण किया।

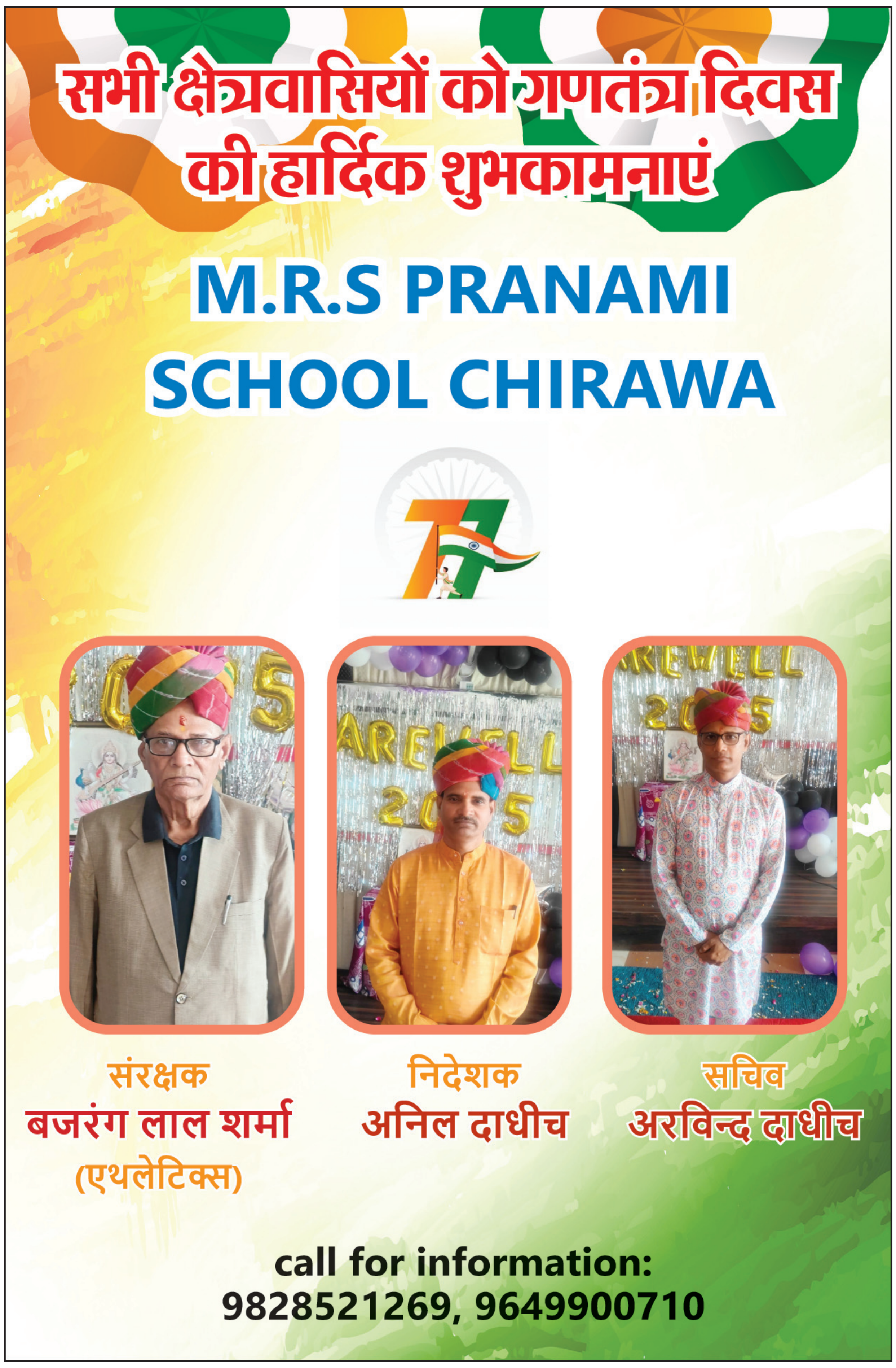

सम्पादकीय

एडवोकेट
हरेश पंवार
Contact No.
9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

77वाँ गणतंत्र दिवस : संविधान की अटल आस्था और लोकतंत्र की मजबूत आधारशिला

भारत आज 77वाँ गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह, गौरव और आत्मविश्वास के साथ मना रहा है। यह अवसर केवल झंडा फहराने, परेड देखने या औपचारिक शुभकामनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्ममंथन का भी है—कि आज़ादी के बाद हमने क्या खाया, क्या पाया और क्या खोया। इन सवालों के बीच एक सत्य निर्विवाद रूप से सामने आता है कि यदि भारत आज भी एक सशक्त, संप्रभु और लोकतांत्रिक राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर खड़ा है, तो उसका सबसे बड़ा आधार भारत का संविधान है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

स्वतंत्रता के बाद जब देश ने गणतंत्र का मार्ग चुना, तब परिस्थितियां आसान नहीं थीं। गरीबी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, जाति-धर्म के विभाजन और बाहरी-भीतरी षड्यंत्र—सब एक साथ चुनौती बनकर खड़े थे। ऐसे विषम हालात में भारत के संविधान ने लोकतंत्र की मजबूत नींव रखी। स्वतंत्रता, समानता, बंधुता और सामाजिक न्याय—ये केवल शब्द नहीं, बल्कि उस संवैधानिक दर्शन के स्तंभ हैं, जिसने विविधताओं से भरे भारत को एकता के सूत्र में बाँधे रखा। भारत का संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि एक जीवंत सामाजिक अनुबंध है। यह विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों, धर्मों और परंपराओं को समाहित करते हुए 'विविधताओं में एकता' की भावना को साकार करता है। यही कारण है कि अनेक वैश्विक लोकतंत्र जहाँ समय के साथ डगमगाए, वहीं भारत का लोकतांत्रिक ढांचा तमाम आंतरिक स्वार्थों और बाहरी दबावों के बावजूद अडिग रहा।

'रोम-रोम मिट गए जहाँ से, कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी '—यह पंक्ति भारत की संवैधानिक आत्मा पर सटीक बैठती है।

समय-समय पर कुछ जाति, धर्म या विचारधारा आधारित संगठन संविधान की मूल आत्मा—विशेषकर प्रस्तावना—पर प्रहार करने का प्रयास करते रहे हैं। लेकिन जब-जब लोकतंत्र की दिशा भटकी, संविधान ने उसे झकझोर कर सही राह पर लाने का काम किया। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। भारत का संविधान किसी एक वर्ग या विचार का नहीं, बल्कि 'हम भारत के लोग' की सामूहिक चेतना का प्रतिबिंब है। इस ऐतिहासिक दस्तावेज़ के निर्माण में संविधान निर्माताओं का विवेक, दूरदर्शिता और सामाजिक संवेदनशीलता झलकती है। विशेषकर संविधान शिल्पी बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का योगदान देश के स्वाभिमान का सबसे बड़ा प्रतीक है। उन्होंने एक ऐसे संविधान की रचना की, जो केवल शासन व्यवस्था नहीं बताता, बल्कि समाज के सबसे कमजोर व्यक्ति को भी अधिकार और सम्मान देता है। उनके लिए संविधान सामाजिक क्रांति का माध्यम था, और आज भी है।

आज हमारी स्वतंत्रता और संप्रभुता सुरक्षित है, क्योंकि वह संविधान की मौलिक अधिकारों की आधारशिला पर टिकी हुई है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और संवैधानिक उपचार का अधिकार—ये अधिकार भारत के नागरिक को सशक्त बनाते हैं। इन्हीं अधिकारों की रक्षा के लिए हमारे लोकतंत्र के तीनों स्तंभ—कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका—एक-दूसरे को संतुलित और नियंत्रित करते हैं। यदि कार्यपालिका या विधायिका से कोई चूक होती है, तो न्यायपालिका हस्तक्षेप कर नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करती है। और यदि कभी न्यायपालिका के निर्णयों से मौलिक अधिकारों पर आघात की आशंका होती है, तो विधायिका संवैधानिक संशोधन के माध्यम से संतुलन स्थापित करती है। यही संवैधानिक व्यवस्था भारत को एक सशक्त लोकतंत्र बनाती है।

निस्संदेह, लोकतंत्र की इस यात्रा में चुनौतियाँ कम नहीं रहीं। असमानता, बेरोजगारी, सामाजिक विद्वेष और संवैधानिक मूल्यों से भटकाव जैसे प्रश्न आज भी हमारे सामने हैं। लेकिन समाधान भी संविधान के भीतर ही है—उसकी भावना में, उसके मूल सिद्धांतों में। आवश्यकता केवल इतनी है कि हम संविधान को केवल किताब में नहीं, बल्कि अपने आचरण में उतारें। 77वें गणतंत्र दिवस पर यह संकल्प लेने का समय है कि हम संविधान की अटल आस्था को कमजोर नहीं होने देंगे। लोकतंत्र केवल सत्ता का खेल नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकता की परीक्षा है। जब नागरिक जागरूक होंगे, तभी संविधान जीवंत रहेगा।

भीम प्रज्ञा के समस्त पाठकों को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। आइए, हम सब मिलकर संविधान के प्रति अपने अटल विश्वास, अटल इरादों और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लें—ताकि भारत की अखंडता, संप्रभुता और सामाजिक न्याय की भावना सदैव अक्षुण्ण बनी रहे।

जय संविधान, जय भारत।

शिक्षक अपनी पीठ थपथपाते रहें, प्रतिभा रह गई हाशिये पर

झुंझुनू में दलित छात्र की राष्ट्रीय उपलब्धि पर चुप्पी, सम्मान सूची से नाम गायब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

'द्रोण गुरु तुम अब भी बाज नहीं आए हो,? एकलव्य का अंगूठा मांगने की तो अब हिम्मत नहीं, पर प्रैक्टिकल में फेल करने से तुम कब कतराए हो... '? वरिष्ठ साहित्यकार ओमप्रकाश वाल्मीकि की ये पंक्तियां आज झुंझुनू जिले की शिक्षा व्यवस्था पर हूबहू लागू होती नजर आ रही हैं। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जब जिले में प्रतिभा सम्मान समारोहों की सूचियां तैयार की जा रही थीं, उसी वक्त झुंझुनू जिले की एकमात्र राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभा को चुपचाप नजरअंदाज कर दिया गया।

झुंझुनू की इकलौती इंस्पायर प्रतिभा, फिर भी सूची से बाहर - बुहाना उपखंड के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लांबी अहीर में अध्ययनरत छात्र मयंक पुत्र संजय कुमार मेघवाल ने इंस्पायर अवार्ड योजना के अंतर्गत विज्ञान के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज कराई।मूल रूप से लांबी जाट गांव निवासी मयंक ने संसाधनहीन ग्रामीण परिवेश और सरकारी स्कूल की सीमाओं के बावजूद अपने वैज्ञानिक नवाचार के दम पर जिले, राज्य और अब राष्ट्रीय स्तर तक जगह बनाई।

नागौर से राष्ट्रीय मंच तक झुंझुनू का प्रतिनिधित्व - मयंक ने नागौर में आयोजित राज्य स्तरीय इंस्पायर प्रतियोगिता में झुंझुनू जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया। चयन समिति ने उसके प्रोजेक्ट को न केवल सराहा, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए चयनित किया। गौर करने वाली बात यह है कि पूरे झुंझुनू जिले से मयंक एकमात्र छात्र है, जिसने इंस्पायर अवार्ड में राज्य स्तर पार कर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी जगह बनाई।

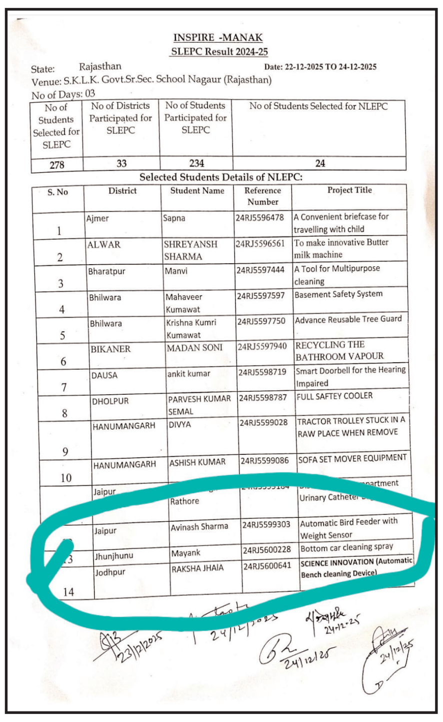

INSPIRE -MANAK
SLEPC Result 2024-25

State: Rajasthan Date: 22-12-2025 TO 24-12-2025
Venue: S.K.L.K. Govt.Sr.Sec. School Nagaur (Rajasthan)
No of Days: 03

No of Students Selected for SLEPC	No of Districts Participated for SLEPC	No of Students Participated for SLEPC	No of Students Selected for NLEPC
278	33	234	24

Selected Students Details of NLEPC:

S. No	District	Student Name	Reference Number	Project Title
1	Ajmer	Sapna	24RJ5596478	A Convenient briefcase for travelling with child
2	ALWAR	SHREYANSH SHARMA	24RJ5596561	To make innovative Butter milk machine
3	Bharatpur	Manvi	24RJ5597444	A Tool for Multipurpose cleaning
4	Bhilwara	Mahaveer Kumawat	24RJ5597597	Basement Safety System
5	Bhilwara	Krishna Kumri Kumawat	24RJ5597750	Advance Reusable Tree Guard
6	BIKANER	MADAN SONI	24RJ5597940	RECYCLING THE BATHROOM VAPOUR
7	DAUSA	ankit kumar	24RJ5598719	Smart Doorbell for the Hearing Impaired
8	DHOLPUR	PARVESH KUMAR SEMAL	24RJ5598787	FULL SAFTEY COOLER
9	HANUMANGARH	DIVYA	24RJ5599028	TRACTOR TROLLEY STUCK IN A RAW PLACE WHEN REMOVE
10	HANUMANGARH	ASHISH KUMAR	24RJ5599086	SOFA SET MOVER EQUIPMENT
[illegible]	Jaipur	[illegible] Rathore	[illegible]	[illegible] partment Urinary Catheter [illegible]
[illegible]	Jaipur	Avinash Sharma	24RJ5599303	Automatic Bird Feeder with Weight Sensor
[illegible]3	Jhunjhunu	Mayank	24RJ5600228	Bottom car cleaning spray
14	Jodhpur	RAKSHA JHAIA	24RJ5600641	SCIENCE INNOVATION (Automatic Bench cleaning Device)

23/12/2025 24/12/2025 24-12-25 24/12/25 24/12/25

फिर सवाल—नाम सम्मान सूची तक पहुंचा ही क्यों नहीं? - इतनी बड़ी उपलब्धि के बावजूद, विद्यालय स्तर से लेकर जिला शिक्षा विभाग तक मयंक का नाम सम्मान सूची के लिए भेजा ही नहीं गया। जिस छात्र ने जिले का नाम रोशन किया, वही छात्र अपने ही स्कूल और अपने ही तंत्र में उपेक्षा का शिकार हो गया।

सम्मान की दौड़ में अधिकारी, प्रतिभा पीछे छूट गई - सूत्र बताते हैं कि विद्यालय की प्रधानाचार्य सुशीला कुल्हार स्वयं को सम्मान सूची में शामिल कराने को लेकर सक्रिय रहीं, लेकिन विद्यालय की वास्तविक प्रतिभा को नजरअंदाज कर दिया गया। यह प्रश्न अब शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर सीधा प्रहार करता है—क्या सम्मान केवल पद के लिए है, उपलब्धि के लिए नहीं? क्या दलित पृष्ठभूमि से आने वाली प्रतिभा अब भी असहज कर देती है?

परिवार को लगा गहरा आघात - जब गणतंत्र दिवस की सूची में मयंक का नाम नहीं आया, तो परिवार के मन में गहरी पीड़ा और असमंजस पैदा हुआ। परिजनों को यह सोचने पर मजबूर होना पड़ा कि क्या राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना भी सम्मान के लिए पर्याप्त नहीं है? यह सिर्फ प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि एक होनहार बच्चे के आत्मविश्वास पर गहरी चोट है।

दलित प्रतिभा का दमन या संस्थागत उदासीनता? - यह मामला अब केवल एक छात्र तक सीमित नहीं रह गया है। यह उस संस्थागत मानसिकता को उजागर करता है, जिसमें वंचित वर्ग की प्रतिभाओं को पहचान देने में उदासीनता बरती जाती है। यदि ऐसे उदाहरणों पर समय रहते संज्ञान नहीं लिया गया, तो सरकारी स्कूलों से निकलने वाली प्रतिभाएं मंच तक पहुंचने से पहले ही टूट जाएंगी।

प्रशासन से सीधी मांग - छात्रा के परिजनों की मांग है कि जिला कलेक्टर स्वयं इस प्रकरण की जांच कराएं, जिम्मेदार अधिकारियों और विद्यालय प्रशासन की जवाबदेही तय हो। छात्र मयंक पुत्र संजय कुमार मेघवाल को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाए क्योंकि यदि आज झुंझुनू का 'एकलव्य' नजरअंदाज हुआ, तो कल शिक्षा व्यवस्था खुद कठघरे में खड़ी होगी।

आशा और चुनौती के बीच भारत का बजट तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदमों की कसौटी

कांतिलाल मांडोत

फरवरी की पहली तारीख को पेश होने वाला आम बजट केवल आय व्यय का लेखा-जोखा नहीं होगा, बल्कि यह उस दिशा का संकेत देगा, जिस ओर भारत अगले दशक में बढ़ना चाहता है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद अब भारत की नजर तीसरे स्थान पर है और इसी लक्ष्य की नींव रखने वाला यह बजट माना जा रहा है। वैश्विक अनि तताओं, बदलती भू-राजनीति, संरक्षणवाद के बढ़ते रुझान और अमेरिकी टैरिफ नीति जैसी चुनौतियों के बीच भारत को संतुलन साधते हुए आगे बढ़ना है। ऐसे समय में बजट से उम्मीदें भी बहुत हैं और आशंकाएं भी।

पिछले दस बारह वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस तेजी से आकार बढ़ाया है, उसने दुनिया का ध्यान खींचा है। लगभग 4.18 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत आज चौथे पायदान पर है और 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आने वाले तीन बजट बेहद अहम माने जा रहे हैं और मौजूदा बजट उसी श्रृंखला की पहली मजबूत कड़ी बन सकता है। सरकार की मंशा स्पष्ट है कि विकास की गति को बनाए रखते हुए आत्मनिर्भर भारत, निर्यात वृद्धि और निवेश को बढ़ावा दिया जाए, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती है बढ़ता सार्वजनिक कर्ज।

देश पर कर्ज का बोझ अब एक ऐसे स्तर पर पहुंच चुका है, जहां उसे नजरअंदाज करना संभव नहीं रहा। पिछले एक दशक में कुल कर्ज 53 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 185 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है और अनुमान है कि मार्च 2025 तक यह 196 से 200 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच सकता है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक तथ्य यह है कि हर साल लगभग 12 लाख करोड़ रुपये केवल ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं। यानी सरकार की कमाई का एक बड़ा हिस्सा विकास कार्यों की बजाय पुराने कर्ज की भरपाई में चला जाता है। यह स्थिति लंबे समय में विकास की रफ्तार पर ब्रेक लगा सकती है। हालांकि, यह भी सच है कि कर्ज अपने आप में बुरा नहीं होता, अगर उसका इस्तेमाल उत्पादक क्षेत्रों में किया जाए। समस्या तब खड़ी होती है, जब कर्ज का बोझ इतना बढ़ जाए कि वह नीतिगत फैसलों की स्वतंत्रता को सीमित करने लगे। भारत आज विश्व बैंक से कर्ज लेने वाले देशों में अग्रणी है और दुनिया के बड़े कर्जदार देशों में सातवें स्थान पर है। भले ही अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इटली जैसे देश भारत से कहीं अधिक कर्जदार हों, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश के लिए कर्ज का संतुलन बनाए रखना कहीं ज्यादा जरूरी हो जाता है। ऐसे में इस बजट से उम्मीद की जा रही है कि सरकार कर्ज नियंत्रण की स्पष्ट रणनीति सामने रखेगी।

बजट का आकार भी अपने आप में एक बड़ा संकेत है। पिछले बारह साल में केंद्र सरकार का बजट 15 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। इस साल इसमें करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह बढ़ोतरी बताती है कि सरकार विकास के लिए खर्च करने को तैयार है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह खर्च टिकाऊ वित्तीय ढांचे के साथ किया जाएगा। इंफ्रास्ट्र र, आईटी, निर्माण, रक्षा उत्पादन और कृषि जैसे क्षेत्रों पर सरकार का फोकस पहले से रहा है और आगे भी इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की संभावना है। चुनौती यह है कि इन निवेशों से वास्तविक रोजगार और उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए।

वैश्विक परिदृश्य भी इस बजट को खास बनाता है। अमेरिका और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में संरक्षणवादी नीतियों का असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ रहा है। टैरिफ को कूटनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति ने निर्यात-आयात के समीकरणों को जटिल बना दिया है। भारत के लिए यह खतरा भी है और अवसर भी। अगर सही नीतियां अपनाई जाएं, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत कर सकता है। इसके लिए बजट में निर्यात प्रोत्साहन, एमएसएमई को सस्ता कर्ज और तकनीकी उन्नयन जैसे कदम अहम हो सकते हैं।

रक्षा क्षेत्र भी इस बजट का एक महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। बदलते वैश्विक हालात और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए रक्षा बजट में बढ़ोतरी की मांग लंबे समय से हो रही है। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि रोजगार और तकनीकी विकास को भी बढ़ावा देता है। सरकार पहले ही इस दिशा में कई कदम उठा चुकी है, लेकिन बजट के जरिए इस रफ्तार को और तेज किया जा सकता है।

आम आदमी की नजर से देखें तो बजट की सबसे बड़ी कसौटी राहत की उम्मीदों पर टिकी है। आयकर दाताओं को टैक्स स्लैब में बदलाव या छूट की आस है, वहीं महंगाई से जूझ रहे मध्यम और गरीब वर्ग को रोजमर्रा की चीजों में राहत चाहिए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल ने ज्वेलरी उद्योग को संकट में डाल दिया है। स बाजी का बाजार गरम है और इसका असर आम उपभोक्ता पर भी पड़ रहा है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती है कि वह बाजार में स्थिरता लाने के उपाय करे।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी इस बजट का अहम हिस्सा होंगी। देश की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है और ग्रामीण मांग मजबूत हुए बिना समग्र विकास संभव नहीं है। किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई, भंडारण और मार्केटिंग व्यवस्था को सुधारने के लिए बजट में ठोस प्रावधान जरूरी हैं। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाना भी दीर्घकालीन विकास के लिए अनिवार्य है।

यह बजट ऐसे समय में आ रहा है, जब भारत आशा और निराशा के एक बड़े मोड़ पर खड़ा है। चौथी अर्थव्यवस्था बनने की दौड़ पूरी हो चुकी है, लेकिन तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता अभी चुनौतीपूर्ण है। कर्ज, वैश्विक अनि तताएं और घरेलू मांग की मजबूती इन सबके बीच संतुलन साधना आसान नहीं होगा। फिर भी, अगर बजट विकास, वित्तीय अनुशासन और सामाजिक न्याय के बीच सही तालमेल बैठा पाता है, तो यह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आधार बन सकता है।

अंततः, एक अच्छा बजट वही होता है जो केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में बदलाव लेकर आए। यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है, जहां उम्मीदें भी हैं और चुनौतियां भी। देश की निगाहें टिकी हैं कि सरकार इस मौके को किस तरह अवसर में बदलती है और क्या वाकई यह बजट भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ा पाता है।

अमेरिका का आर्थिक संकट, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर खतरा

सनत जैन

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था माने जाने वाले अमेरिका की वित्तीय स्थिति गंभीर सवालों के घेरे में है। अमेरिकी ट्रेजरी से जिस तेजी के साथ विदेशी पूंजी की निकासी हो रही है, जिस अनुपात में नया निवेश नहीं आ रहा है उसने अमेरिका के साथ-साथ वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को अस्थिरता में धकेल दिया है। अमेरिकी प्रतिबंधों के डर और अमेरिका द्वारा कई देशों की संपत्तियों की जब्ती की कार्यवाही को देखते हुए दुनिया के कई देशों और निवेशकों ने अपना पैसा अमेरिका की ट्रेजरी से निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी में बांड के रूप में किए गए निवेश को अधिकांश देश निकाल रहे हैं। वैश्विक स्तर पर यह आशंका व्यक्त की जा रही है, कि अमेरिका में रखा उनका पैसा अब सुरक्षित नहीं है। अमेरिका पर सार्वजनिक कर्ज. 34 ट्रिलियन डॉलर पर पहुँच चुका है। पिछले वर्षों में अमेरिकी ट्रेजरी में विभिन्न देशों की सरकारों और संस्थाओं का जमा लगातार घट रहा है। एक समय अमेरिका को सुरक्षित निवेश का सबसे बड़ा ठिकाना माना जाता था। अमेरिका द्वारा रूस, अफगानिस्तान और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद उन देशों की संपत्ति और जमा राशि को जब्ती की कार्यवाही करके दुनिया के अन्य देशों के भरोसे को बड़ी चोट पहुँचाई है। नतीजतन, यूरोप, चीन, भारत सहित दर्जनों देशों ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड से दूरी बनानी शुरू कर दी है। अमेरिका और ब्रिटेन में जो सोना अन्य देशों ने जमा करके रखा था, उसे भी अब वापस लाया जा रहा है। दुनिया के कई देशों ने अमेरिकी बांड से राशि निकालकर सोने के रूप में निवेश करने का नया विकल्प तलाश लिया है। सभी देश डॉलर मुद्रा में जमा धन सोने के रूप में कन्वर्ट करके अपने देश के सेंट्रल बैंक में सुरक्षित रख रहे हैं। जिसके कारण अमेरिका की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है।

डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति, टैरिफ युद्ध, और बार-बार प्रतिबंधों की धमकी तथा मनमाने निर्णय लेने के कारण दुनिया के देशों में अमेरिका की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो गई है। अमेरिका की टैक्स एवं आर्थिक नीति में अनि तता के कारण विदेशी निवेशक अमेरिका की ट्रेजरी में नए बॉन्ड खरीदने से हिचक रहे हैं। अमेरिका की ट्रेजरी में बहुत बड़ी राशि के पुराने बॉन्ड की समय-सीमा पूर्ण होने जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी पर बांड में जमा राशि लौटाने का दबाव बन रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी से धन की निकासी बड़े पैमाने पर हो रही है। ट्रेजरी से जिस राशि का भुगतान किया जा रहा है, उस भुगतान की राशि का 25 फीसदी धन भी अमेरिकी ट्रेजरी में जमा नहीं हो रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी में जमा कम और निकासी अधिक होने से अमेरिका की अर्थव्यवस्था खतरनाक संकट की ओर आगे बढ़ रही है। इस संकट का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। जब अमेरिका जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था दबाव में आती है। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ना तय है। वैश्विक विकास-दर पहले ही सुस्त पड़ चुकी है। महँगाई, ऊँची ब्याज दरें और निवेश में गिरावट के कारण दुनिया के सभी देशों में आम लोगों की क्रय शक्ति लगातार घट रही है। लोगों के पास जरूरी खर्च करने के लिए भी पर्याप्त राशि नहीं है। नागरिकों की बचत खत्म हो गई है। नागरिकों के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है, जिससे सभी देशों में मांग कमजोर हो रही है। जिसके कारण आर्थिक मंदी की आशंका गहराती जा रही है। आज दुनिया के अधिकांश देश भारी कर्ज. के बोझ में दबे हैं। यदि अमेरिका जैसी केंद्रीय अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में हाहाकार मचना तय है। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध के हालात बने हुए हैं, वैश्विक व्यापार संधि भी टैरिफ के कारण खतरे में है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से वैश्विक व्यापार संधि को नजरअंदाज करते हुए टैरिफ का नया युद्ध शुरू किया है, वह अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों के लिए नए संकट के रूप में सामने है। किसी भी देश की ताकत उसकी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति से नहीं तय की जा सकती है। ताकतवर देश के ऊपर भरोसे, स्थिरता और जिम्मेदार नीतियां उस देश को ताकतवर बनाती हैं। अमेरिका के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से विश्वास, अब अविश्वास में बदल गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब गैंगस्टर के रूप में पहचाना जा रहा है। जिसके कारण अमेरिका पर पहले जो विश्वास था, वह तेजी के साथ खत्म हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति की वर्तमान नीतियों के कारण सारी दुनिया के लिए एक नई चुनौती खड़ी हो गई है। दुनिया का खोया हुआ विश्वास, अमेरिका कैसे प्राप्त करेगा, इसको लेकर तरह-तरह की आशंका दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सनक के कारण सारी दुनिया के देशों से न केवल दूरियां बढ़ा ली हैं, वरन अमेरिका की वित्तीय व्यवस्था को भी ऐसी स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है, जहां अमेरिका को अपने आप को बचाने के लिए कडा संघर्ष करना पड़ रहा है। अब देखना यह है, अमेरिका इस चुनौती का मुकाबला किस तरह से करता है। दुनिया के देशों में इसका किस हद तक असर पड़ता है।

गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ
मोडाराम धतरवाल
समाजसेवी, हियादेसर
रेवन्ती देवी
प्रशासक, हियादेसर

"सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा"
आप सभी को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
हुकमाराम नायक
सरपंच प्रतिनिधि ग्राम पंचायत मढ
पंचायत समिति श्रीकोलायत, बीकानेर

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
राजपाल सिंह तंवर
पूर्व उपप्रधान
पंचायत समिति सदस्य,बुहाना

गणतंत्र दिवस
एवं
संत शिरोमणि
गुरू रविदास जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ. जोगिंदर सिंह मुआल
वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी,
सीन ऑफ क्राइम,
जिला फतेहाबाद

गणतंत्र दिवस
एवं
संत शिरोमणि
गुरू रविदास जयंती
की हार्दिक शुभकामनाएँ
एडवोकेट
तरसेम कैरो
एडवोकेट
रमनदीप डांगा

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
राधेश्याम शर्मा
सुखाड़िया
जिला प्रभारी- लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट,
झुंझुनूं

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
महेंद्र कुमावत
पूर्व पार्षद
भाजपा नगर मंडल
उपाध्यक्ष, चिड़ावा

26 जनवरी
समस्त प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
रेवन्त राम
सरपंच प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत गंगापुरा, पंचायत समिति श्रीकोलायत

26 जनवरी
समस्त प्रदेशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
भगवानाराम मेघवाल
सरपंच प्रशासक
ग्राम पंचायत नौरंगदेसर, पंचायत समिति बीकानेर

सभी अभिभावकों को गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई
L.B.S. INTERNATIONAL
SR. SEC. SCHOOL
LBS Kids Play School
(A Prestigious Hindi & English Medium Co-Educational Residential School)
गुंती रोड़, पचेरी बड़ी
Helpline No.
8209020308,
9413562241,
8209000294
Manage By
Atul Kumar
Director
Suresh Kumar Jangir

सभी क्षेत्रवासियों को गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
NOBLE EDUCATION
GROUP, DEOLAWAS
01) नोबल पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल देवलावास, बुहाना
02) नोबल चिल्ड्रन एकेडमी, बुहाना
03) नोबल ब्योज हॉस्टल, बुहाना
04) नोबल पी.जी (गर्ल्स) कॉलेज, बुहाना
05) नोबल हॉस्टल गर्ल्स देवलावास, बुहाना
06) नोबल साइंस एकेडमी, पचेरी कलां
Engg. Sandeep Nehra
M.Sc., (Gold Medalist) M.Tech.
(Mining), Ex-Mining Engg.

समाजसेवी व भामाशाह सीताराम मीणा ने ग्राम पंचायत सुवानिया के समस्त सरकारी विद्यालयों में टाई व बेल्ट का किया वितरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़ नैनवां।

राकेश कुमार बैरवा । रविवार को ग्राम बिजलबा निवासी समाजसेवी व भामाशाह सीताराम मीणा ने ग्राम पंचायत सुवानियां के रा.उ.प्रा. विद्यालय खोलाडा व रा.उ.मा. विद्यालय सुवानियां तथा राजकीय प्राथमिक विद्यालय पीपरवाला में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों को टाई और बेल्ट वितरण की गई। इस सराहनीय कार्य को देखकर विद्यालय स्टाप व ग्रामीणों ने सीताराम मीणा को धन्यवाद दिया। इस दौरान कार्यक्रम में पीपरवाला विद्यालय पर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी बूंदी यशवंत कुमार शर्मा भी मौजूद रहे। पीपरवाला प्रधानाध्यापक रामराज जाट व स्टाफ ने भी आभार व्यक्त किया।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने उठाई अधिकारों की आवाज़ : 12 फरवरी 2026 की राष्ट्रीय हड़ताल को सफल बनाने का लिया संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन हरियाणा (मुख्यालय महेंद्रगढ़) की एक महत्वपूर्ण बैठक डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल, महेंद्रगढ़ रोड नारनौल पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता यूनियन प्रधान जुगेश कुमार ने की, जबकि संचालन महासचिव कामरेड सुभाष चंद्र एडवोकेट ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधान जुगेश कुमार ने कहा कि तत्कालीन सरकार ने शहरों की तर्ज पर गांवों को भी स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने के उद्देश्य से सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की थी। ग्रामीण सफाई कर्मचारी नियुक्ति के समय से आज तक निरंतर सफाई कार्य कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद सरकार उनके जीवन स्तर में सुधार के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा रही है। उन्होंने कहा कि नियुक्ति के समय सभी नियम-कानूनों का पालन किया गया था, फिर भी 18 वर्ष बीत जाने के बाद सरकार उन्हें अपना कर्मचारी मानने से इनकार कर रही है।

उन्होंने सरकार से मांग की कि सबसे पहले ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाए। जब तक यह नहीं होता, तब तक रू28,000 मासिक वेतन लागू किया जाए। इसके साथ ही रू8,000 ड्रेस भत्ता, महिला कर्मचारियों को मातृत्व लाभ, पुरुष कर्मचारियों को चाइल्ड केयर लीव, सफाई उपकरण उपलब्ध कराने, मनमाने तरीके से सेवा समाप्ति पर रोक लगाने तथा गजेटेड छुट्टियों के अतिरिक्त 45 दिन की छुट्टी लागू करने की मांग रखी गई। बैठक को संबोधित करते हुए कामरेड सुभाष चंद्र एडवोकेट ने कहा कि ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाए और श्रम कानूनों में किए गए बदलावों के खिलाफ 12 फरवरी 2026 को होने वाली राष्ट्रीय स्तर की हड़ताल में बढ़-चढ़कर भाग लिया जाए। उन्होंने कहा कि यह हड़ताल मेहनतकश वर्ग के हित में होगी। साथ ही उन्होंने सभी कर्मचारियों से 12.02.2026 को डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थल के पास एकत्रित होने का आह्वान किया। बैठक में अशोक कुमार, पवन कुमार, लोकेश कुमार, मंजू देवी, समाकोर, रमेश देवी, हरिराम, कर्षण कुमार, चंदगी राम, छज्जू राम, ओमप्रकाश, राजबीर, सुंदर, लालचंद सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर 12 फरवरी 2026 की राष्ट्रीय हड़ताल को सफल बनाने का संकल्प लिया।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिवस पर रेवाड़ी में जिलाध्यक्ष डॉ. वंदना पोपली की अगुआई में हुआ भव्य 'रुद्राभिषेक'

मुख्यमंत्री नायब सैनी की दीर्घायु और प्रदेश की समृद्धि के लिए गूंजे मंत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रेवाड़ी।

भांडोरिया । हरियाणा के ओजस्वी, लोकप्रिय और कर्मठ मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी के जन्मदिवस के पावन अवसर पर आज रेवाड़ी शहर भक्ति और उत्साह के रंगों में सराबोर नजर आया। इस विशेष दिन को आध्यात्मिक और सेवा भाव से मनाने के उद्देश्य से, शहर के प्रतिष्ठित BMG एलिगेंट सिटी स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में प्रातः एक भव्य 'रुद्राभिषेक' और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, कार्यकर्ताओं और शहर के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं भाजपा रेवाड़ी के जिला कोषाध्यक्ष गौरव शर्मा की देखरेख में आयोजित इस अनुष्ठान में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान शिव का जलाभिषेक किया गया। मंदिर का प्रांगण ओम नमो शिवाय ' के उद्घोष से गुंजायमान हो उठा। जिला अध्यक्ष वंदना पोपली की अगुआई मे उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में

मुख्यमंत्री जी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और उनके यशस्वी नेतृत्व के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष वंदना पोपली और रेवाड़ी विधायक़ लक्ष्मण यादव ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। डॉ वंदना पोपली ने कहा 'श्री नायब सिंह सैनी जी एक ऐसे जननायक हैं जिन्होंने बहुत ही कम समय में अपनी सादगी और कार्यकुशलता से हरियाणा के हर वर्ग के दिल में जगह बनाई है। उनका जीवन 'सेवा, संगठन और समर्पण' का एक जीवंत उदाहरण है। ' भाजपा कार्यकर्ताओं ने भगवान भोलेनाथ से प्रार्थना की मुख्यमंत्री नायब सैनी को और अधिक शक्ति और ऊर्जा प्रदान करें, ताकि वे हरियाणा को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जा सकें। मुख्यमंत्री जी का विजन समाज के अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, और हम सब उनके सिपाही बनकर इस संकल्प को पूरा करेंगे। इस अवसर पर सफाई आयोग के चेयरमैन कृष्ण कुमार के साथ साथ भाजपा जिला महामंत्री हिमांशु पालीवाल, कुलदीप चौहान, उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जिला सचिव दिनेश यादव, मंडल प्रभारी वीरेंद्र छीलर,जिला मीडिया प्रभारी जतिंन अरनेजा, नगरपरिषद पूर्व वाईस चेयरमैन श्यामसुंदर चुघ, सी एम विंडो एमिनेंट पर्सन सुरेन्द्र वशिष्ट, मुकेश सैनी, ओमप्रकाश चौहान, कुलदीप यादव, सी डब्लू सी मेंबर नीतू चौधरी , पूर्व पार्षद बलजीत यादव,रमेश भलिया, भूपिंदर गुप्ता, रमेश मोरवाल, विनय जेलदार, युवा कार्यकारी अध्यक्ष सौरभ यादव, जिला कार्यकारिणी सदस्य नेहा शर्मा , अमृत कला टिकनिया, अजय कांटीवाल,जोगिंदर यादव,अजय रंगा, एडवोकेट गुरदयाल,एकभारत श्रेष्ठ भारत के जिला सह संयोजक ऐडवोकेट मुकेश रँगा , कष्ट निवारण समिति सदस्य सतीश बत्रा, मंडल महामंत्री बावल निहाल चोकन, प्रदेश कार्यकारी सदस्य अनुसूचित जाति मोर्चा कुमारी गीता,मनीष टीकानीया,वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी तिवारी,संजय बड़गुर्जर,शील जैन, नरेंद्र धामलाका , बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, स्थानीय पार्षद, और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहे। आरती और प्रसाद वितरण के साथ इस मंगलमय कार्यक्रम का समापन हुआ।

खुड़िया ग्राम पंचायतवासियों ने भाजपा नेता दहिया का किया नागरिक अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत खुड़िया में रविवार को भाजपा के युवा नेता राजेश दहिया का नागरिक अभिनंदन सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में खुड़िया, पटेल नगर, खुड़िया बास, आलमपुर सहित आसपास के गांवों के ग्रामीणों ने साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर दहिया का स्वागत किया। इस अवसर पर दहिया ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन भाजपा सरकार लगातार विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। सुशासन के दो वर्षों में सरकार ने वह कार्य कर दिखाए हैं, जो पूर्ववर्ती सरकारें नहीं कर सकीं। उन्होंने कहा कि सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। दहिया ने ग्रामीणों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को नियमित रूप से देखने और सुनने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री सीधे आमजन से संवाद करते हैं और विभिन्न योजनाओं व जनहितकारी विषयों की जानकारी देते हैं। खुड़िया ग्राम पंचायत मुख्यालय पर आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह के लिए दहिया ने समस्त ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया। समारोह में मंडल अध्यक्ष विकास स्वामी, पूर्व मंडल अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पूर्व सरपंच रघुबीर सिंह, कैप्टन उदमीराम जांगीड़, अमीलाल पटवारी, श्रीचंद सिलायाच, अमरसिंह बलवदा, नंदूराम, मातुराम, वीरपाल, महेंद्र सिंह, हरिसिंह, काशीराम योगी, करनीराम, महावीर, सत्यवीर, मांगेलाल, धर्मपाल, रामधन, विद्याधर, बंशी, कमलेश, बलबीर, हजारीलाल, गुलझारी, जयसिंह, दयानंद, जोखीराम, बजरंग सिंह, तुलसीराम, सरदाराम, अर्जुन सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

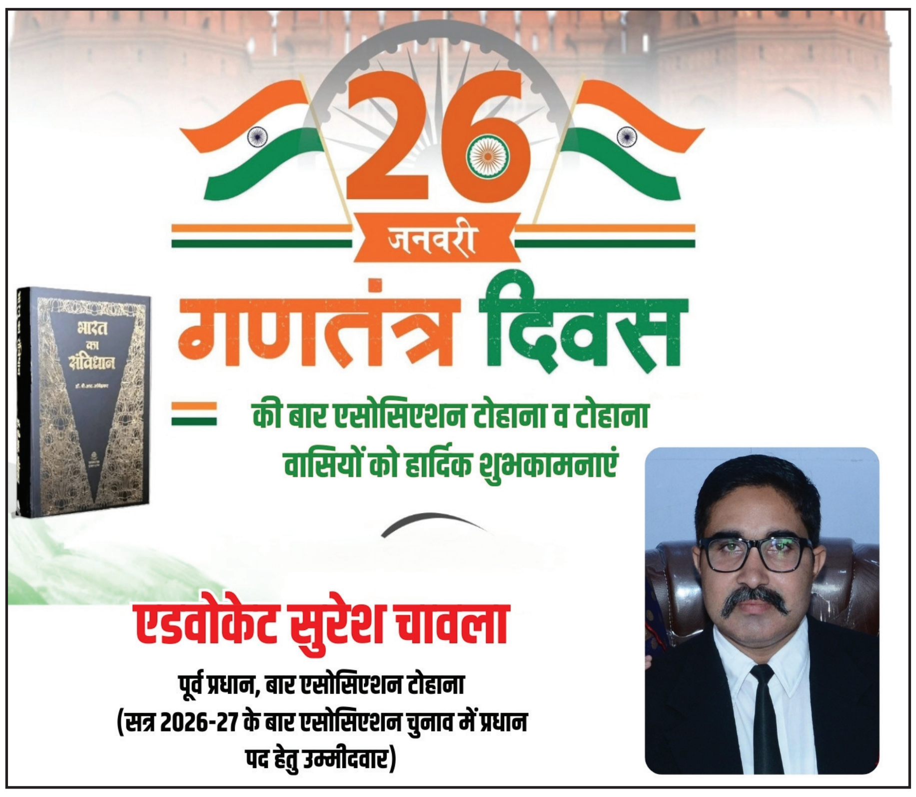

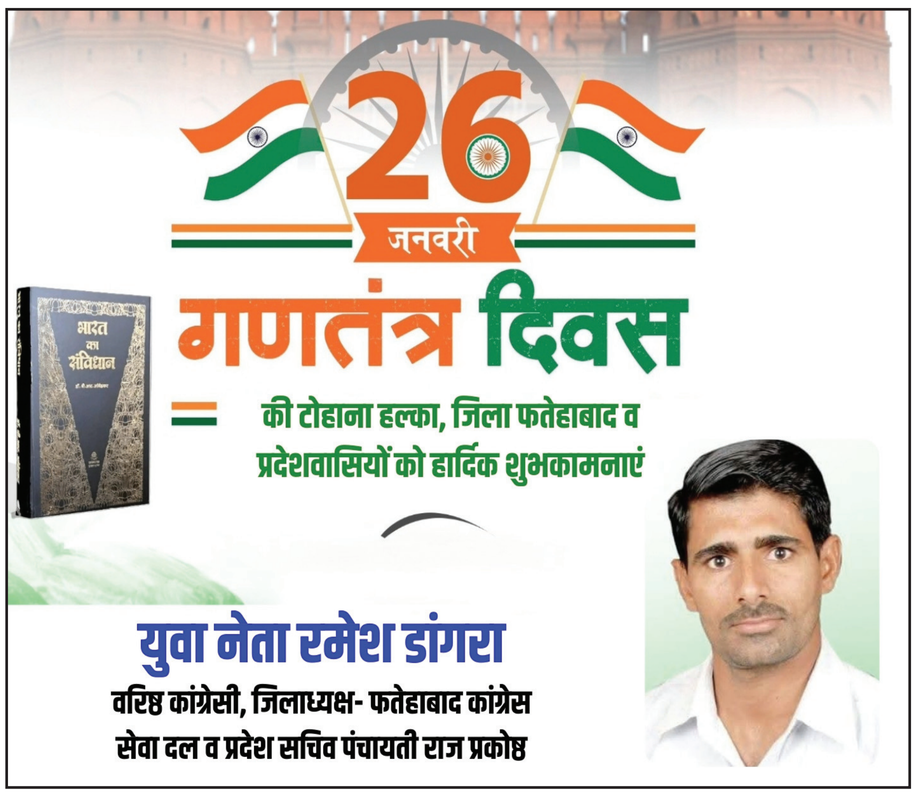

मार्शल आर्ट्स में चिड़ावा के विराट का जलवा; नेशनल स्तर तक जीते मेडल, गणतंत्र दिवस पर होंगे उपखंड स्तर पर सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

खेल के मैदान में चिड़ावा के एक और होनहार खिलाड़ी ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कृष्ण प्रणामी स्कूल के प्रतिभावान छात्र विराट मिश्रा पुत्र रजनीकांत मिश्रा ने मार्शल आर्ट्स की विभिन्न विधाओं में जिला राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए हैं। विराट की इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उन्हें 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर उपखंड स्तर पर समारोहपूर्वक सम्मानित किया जाएगा। कम उम्र में ही विराट ने अनुशासन निरंतर अभ्यास और मजबूत आत्मविश्वास के बल पर खेल जगत में अपनी अलग पहचान बनाई है। उनके कोच के मार्गदर्शन और विद्यालय के सहयोग से उन्होंने अलग अलग मार्शल आर्ट्स स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विराट की प्रमुख उपलब्धियां

ताइक्वांडो में शानदार तकनीक का प्रदर्शन करते हुए राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किया। राजस्थान राज्य गतका चैंपियनशिप 2025 26 में दमदार खेल दिखाते हुए राज्य स्तरीय स्वर्ण पदक जीता। राजस्थान राज्य रैनबुकन कराटे प्रतियोगिता में कड़े मुकाबलों के बीच कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। इन सफलताओं के साथ विराट ने यह साबित कर दिया है कि सही मार्गदर्शन और कठोर परिश्रम से छोटे कस्बों से भी राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी उभर सकते हैं। विराट की उपलब्धियों पर कृष्ण प्रणामी स्कूल प्रबंधन शिक्षकगण और विद्यार्थियों में खुशी का माहौल है। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि विराट अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और स्कूल भविष्य में भी खेल प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग देता रहेगा। क्षेत्र के खेल प्रेमियों और सामाजिक संगठनों ने भी विराट को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। अपनी सफलता पर प्रतिक्रिया देते हुए विराट ने कहा कि यह सब माता पिता के सहयोग कोच के मार्गदर्शन और विद्यालय के प्रोत्साहन का परिणाम है। उन्होंने बताया कि नियमित अभ्यास अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ही उनकी सफलता की कुंजी रहा है। गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित उपखंड स्तरीय समारोह में विराट को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित किया जाएगा। इस खबर से परिवार मित्रों और नगरवासियों में खासा उत्साह है। लोगों को उम्मीद है कि विराट आने वाले समय में राष्ट्रीय के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश और प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे। चिड़ावा के इस होनहार खिलाड़ी की सफलता ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी बड़े शहर की मोहताज नहीं होती बल्कि सच्ची लगन और मेहनत से हर मंच पर परचम लहराया जा सकता है।

आदिवासी सेवा संस्थान तहसील मंडावा के तत्वाधान में बीडीओ लक्ष्मीनारायण मीणा का उत्कृष्ट सेवा को लेकर किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । मंडावा पंचायत समिति सभागार में पंचायत समिति विकास अधिकारी लक्ष्मीनारायण मीणा के गौरवमय एवं उत्कृष्ट सेवा कार्य को लेकर आज आदिवासी सेवा संस्थान तहसील मंडावा द्वारा मीणा समाज मंडावा की ओर से सम्मान समारोह आयोजित कर उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीणा समाज के मंडावा तहसील अध्यक्ष परमेश्वर लाल मीणा ने की। मुख्य अतिथि मंडावा पंचायत समिति के विकास अधिकारी लक्ष्मण मीणा थे। विशिष्ट अतिथि की श्रृंखला में मांगीलाल मीणा सी आई थाना सदर झुंझुनू , झुंझुनू मीणा समाज पूर्व जिला अध्यक्ष सुरजाराम मीणा नाहरसिघानी, बनवारीलाल मीणा , पूर्व जिला अध्यक्ष, उपाध्यक्ष मीणा समाज झुंझुनू रतन सिंह मीणा जोधपुर जिला अध्यक्ष आदिवासी कांग्रेस झुंझुनू, दिलीप मीणा पूर्व जिला अध्यक्ष, बिसाऊ पार्षद श्रवण कुमार मीणा ,हरि सिंह मीणा झुंझुनूं उपाध्यक्ष मीणा समाज, वीरेंद्र सिंह मीणा भोजासर थे। इस अवसर पर मीणा समाज मंडावा की तरफ से विकास अधिकारी लक्ष्मीनारायण मीणा को साफा, शॉल, माल्यार्पण ओर बाबा साहेब की छायाचित्र भेंट कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में संपूर्ण झुंझुनू जिले से पधारे मीणा समाज के अनेक गणमाने लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर सुरेंद्र सिंह मीणा भोजासर, धर्मवीर मीना एडवोकेट झुंझुनू, संदीप मीणा चनाना, अमित मीणा बाजीसर, भागीरथ मीणा, रामकुमार मीणा, ताराचंद्र मीणा, प्रदीप मीणा,मदन मीणा, मामराज मीणा, खेवाराम मीणा, हिरासिह मीणा, महावीर मीणा, रामवतार मीणा, मनीष मीणा, रामकुमार भीमसर, दयानंद मीणा, रामनिवास मीणा, शीशपाल मीणा, शिवचंद मीणा, अमरचंद मीणा,रोहताश मीणा, लोकेश मीणा, ओमप्रकाश मीणा, संदीप मीणा, जीवणराम मीणा, कुलदीप मीणा, सुभाष मीणा, सुरेंद्र मीणा, महावीर मीणा, हनुमान मीणा,सतकुमार मीणा, अनिल मीणा, रामचंद्र मीणा बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहें।

मां और बेटा का होगा एक साथ सम्मान

बेटे को जिला स्तर पर, वही माता को मिलेगा उपखंड स्तर पर सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

गणतंत्र दिवस पर इस बार एक ही परिवार के दो सदस्यों का एक साथ सम्मान होना भी संजोग है। झुंझुनू के सामाजिक सुरक्षा अधिकारी डॉक्टर निखिल कुमार जिला स्तर पर सम्मानित होंगे। वहीं उनकी माता मंजू देवी जो सूरजगढ़ मंडी की राउमावि में अध्यापक पद पर कार्यरत है उन्हें सूरजगढ़ उपखंड प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

इंस्पेक्टर ओमप्रकाश लुनिया होंगे सम्मानित: गणतंत्र दिवस पर मिलेगा उत्कृष्ट सेवा पदक श्रीनगर में होगा सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नई दिल्ली।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में कार्यरत इंस्पेक्टर ओमप्रकाश लुनिया को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'उत्कृष्ट सेवा पदक' से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें श्रीनगर में आयोजित विशेष समारोह में प्रदान किया जाएगा। सीजीओ कॉम्प्लेक्स नई दिल्ली से जारी हालिया विज्ञप्ति के अनुसार इस वर्ष उत्कृष्ट सेवाओं के लिए चयनित अधिकारियों की सूची में इंस्पेक्टर ओमप्रकाश लुनिया का नाम भी शामिल है। इस सम्मान सूची में करीब चार दर्जन से अधिक अधिकारी चयनित किए गए हैं जिनमें आईजी और डीआईजी स्तर के वरिष्ठ अधिकारी भी सम्मिलित हैं। ऐसे प्रतिष्ठित अधिकारियों के बीच इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी का चयन होना उनके कार्यकौशल कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण का प्रमाण माना जा रहा है। बताया गया है कि इंस्पेक्टर ओमप्रकाश लुनिया ने अपने सेवाकाल के दौरान विभिन्न संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में तैनाती के दौरान अनुकरणीय कार्य किया है। कानून व्यवस्था बनाए रखने आतंरिक सुरक्षा ड्यूटी और विशेष अभियानों में उनके योगदान को विभाग द्वारा विशेष रूप से सराहा गया है।

युवाओं की सक्रिय भागीदारी से मजबूत होगा लोकतंत्र: अनुराग ढालिया

राजकीय महाविद्यालय भूना में मनाया गया 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/भूना।

रजत विजय रंगा । राजकीय महाविद्यालय भूना में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढालिया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यक्रम में मतदाता सूची में शत-प्रतिशत कार्य करने वाले कर्मठ बीएलओ एवं निर्वाचन आयोग द्वारा जिला स्तर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम द्वितीय एवं और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण- पत्र देकर सम्मानित किया गया। बेस्ट बीएलओ के रूप में टोहाना से अमनदीप, फतेहाबाद से रामनिवास तथा रतिया से मदन लाल को सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यवाहक उपायुक्त अनुराग ढालिया ने कहा कि मतदान लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है और युवा वर्ग की भागीदारी से ही लोकतंत्र को सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं को आह्वान किया कि जिला के 18 वर्ष या इससे अधिक आयु के नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करवाएं और चुनाव के दौरान वोट डालकर जागरूक नागरिक होने का कर्तव्य भी निभाएं। जागरूक मतदाता पूरे देश की दिशा और दशा बदलने में सक्षम हैं। कार्यवाहक उपायुक्त ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का सबसे सशक्त माध्यम है और प्रत्येक पात्र नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करे। राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य नागरिकों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा निर्वाचन प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं सम्मानित विजेताओं को मतदान की शपथ दिलाई तथा सभी से निष्पक्ष, निर्भीक और जागरूक होकर मतदान करने का आह्वान किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेंद्र ज्यानी ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस का उद्देश्य नागरिकों में लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों की भूमिका मतदाता जागरूकता में अत्यंत महत्वपूर्ण है और ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में जिम्मेदार नागरिक बनने की भावना को मजबूत करते हैं। मेरा युवा भारत का कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान रहा।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर एसडीएम आकाश ने दिलाई सामूहिक शपथ स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान के संकल्प के साथ मनाया गया मतदाता दिवस

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर रविवार को स्थानीय लघु सचिवालय परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सामूहिक रूप से मतदाता शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एसडीएम आकाश शर्मा ने अधिकारियों व कर्मचारियों को मतदान की महत्ता को बताते हुए वोट डालने और अन्य मतदाताओं से भी इसके लिए प्रेरित करने का संकल्प दिलाया।

एसडीएम आकाश शर्मा ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शपथ दिलाते हुए कहा कि हम, भारत के नागरिक, लोकतंत्र में अपनी पूर्ण आस्था रखते हुए यह शपथ लेते हैं कि हम अपने देश की लोकतांत्रिक परम्पराओं की मर्यादा को बनाए रखेंगे तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अक्षुण्ण रखते हुए, निर्भीक होकर, धर्म, वर्ग, जाति, समुदाय, भाषा अथवा किसी भी प्रकार के प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि स्वयं जागरूक मतदाता बनने के साथ ही अपने आस पड़ोस रहने वाले 18 वर्ष से ऊपर के प्रत्येक नागरिक को मतदाता बनने व निर्वाचन में अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें। 25 जनवरी को हर साल राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जाता है। उन्होंने राष्ट्रीय मतदाता दिवस व नए मतदाता बनने वालों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवक-युवतियों को मतदाता सूची में शामिल कराएं। उन्होंने लोकतंत्र को सशक्त बनाने में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी को अत्यंत आवश्यक बताया और कहा कि मतदान केवल अधिकार ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण संवैधानिक दायित्व भी है। प्रत्येक मतदाता का जागरूक और निष्पक्ष होकर मतदान करना लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूती प्रदान करता है। उपस्थित अधिकारियों व कर्मचारियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। 'वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम' स्लोगन के माध्यम से आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने तथा अधिक से अधिक संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया गया। इस दौरान अधीक्षक मुकेश बजाज, गौतम वधवा, राजीव सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहें।

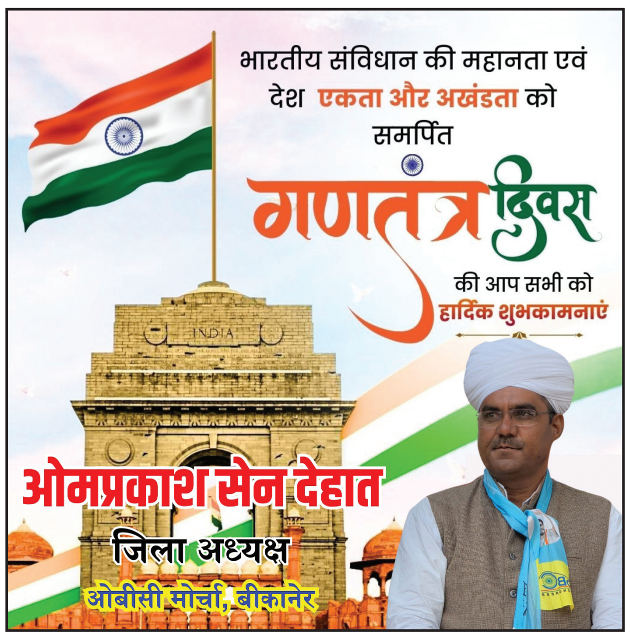

नवलगढ़ की फुले बस्ती का विराट हिन्दू सम्मेलन हुआ सम्पन्न

संतों के सानिध्य के साथ ही संघ के अखिल भारतीय अधिकारी मा. सुरेश कुमार का रहा मुख्य उद्बोधन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

(कमल किशोर पंवार) । कस्बे की पोद्दार कॉलेज के पास स्थित फुले बस्ती की ओर से विराट हिन्दू सम्मेलन आयोजित किया गया। इस अवसर पर भव्य कलश यात्रा के रूप में 201 मातृशक्ति गाजे - बाजे के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंची। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख व्यवसायी बस्ती के हरीश शर्मा ने की। संत ओंकार नाथ, संत विश्वनाथ व योगी मोहननाथ, रंजना शर्मा मंचस्थ अतिथि थे। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के सदस्य सुरेश कुमार मुख्य वक्ता व मुख्य अतिथि के रूप में मंचस्थ थे। गणेश वंदना व मंचस्थ अतिथियों द्वारा दीप - प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। जयेश सैनी व हर्षित सैनी ने संगीतमय हनुमान चालीसा, ममता घोड़ेला, पूजा सैनी व चेतना सोनी ने राम आएंगे भजन, विदिता बेडवाल ने बोधकथा तथा नगर कार्यवाह कमल किशोर पंवार ने देश भक्ति गीत प्रस्तुत किया। दीनानाथ रूंथला ने प्रस्तावना रखी। रंजना शर्मा ने कुटुंब पर प्रबोधन दिया। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा के सदस्य सुरेश कुमार ने अपने वक्तव्य में सामाजिक समरसता का सन्देश देते हुए कहा कि आज सनातनियों को एक जाजम पर बैठने की आवश्यकता है, आज सारा विश्व भारत की ओर देख रहा है, भारत का पराक्रम बढ़ रहा है ऐसे समय में सभी सनातनियों को एक होकर देश के विकास में अपनी सहभागिता दर्ज करानी चाहिए। संत योगी मोहननाथ ने वर्तमान चुनौतियों के बारे में अवगत कराते हुए संगठित होने की बात कही। हरीश शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जनजागरण के कार्यों में सहयोग करने वाले बस्ती के लोगों का मंचस्थ अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया जिनमें चार बच्चे उत्पन्न करने की शपथ लेने वाले नरेश हिन्दू, लखन बेडवाल व रणजीत सैनी एवं बच्चियों का विवाह पच्चीस वर्ष से कम आयु में करने का संकल्प लेने वाले चण्डी प्रसाद कौशिक, सज्जन सैनी, पर्यावरण के लिए दिनेश चंदेल, गौ सैवा के लिए सुरेश सिंगोदिया, निरिह जानवरों की सेवा के लिए मुन्नी देवी, धर्म के प्रचार प्रसार के लिए धर्मा देवी व तथा नरेश 'हिन्दू' का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विभाग प्रचारक मुकेश कुमार, नगर संघ चालक विश्वनाथ जोशी, खण्ड कार्यवाह विनोद जाखड़, रामकुमार सिंह राठौड़, हिन्दू जागरण मंच के अध्यक्ष मोहन लाल चुड़ीवाल, विश्व हिन्दू परिषद के प्रखण्ड अध्यक्ष राम मोहन सेकसरिया, रामकुमार व्यास, डॉ दयाशंकर जांगिड़, डॉ हेमंत गुप्ता, हरीराम सैनी, मोतीचंद मालू, सीताराम घोड़ेला, डॉ सुनील गुप्ता, डॉ संजय सैनी, पंकज सैनी, लखन बेडवाल, नरेश हिन्दू, मुकेश सैनी, मुकेश शर्मा, रणजीत सैनी, दिनेश चंदेल, आनंद सिंह शेखावत, ओमप्रकाश सैन, मंजु सैनी, सुमन शर्मा, डॉ गिरधारी लाल, डॉ अनिल शर्मा, रवि सैनी, जयंती बील, मनोज सैनी, शिवकुमार बंका, महेश मिश्रा, योगेंद्र मिश्रा, मेजर डीपी शर्मा, गोवर्धन सिंह मारवाड़, बाबूलाल सोनी, चिरंजीलाल सैनी, डॉ अंबरीष शर्मा, चण्डीप्रसाद कौशिक, सुभाष सिंह कच्छावा, भवानी शंकर सैनी, सूर्य प्रकाश पीपलवा, सत्यनारायण सोलंकी सहित सैकड़ों मातृ शक्ति तथा सनातनी बंधु उपस्थित थे। संचालन गोविंद मिश्रा ने किया।शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

भावुक क्षणों के बीच कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को दी विदाई, संस्कारों के साथ आगे बढ़ने का मिला संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शहर के एम.आर.एस. प्रनामी स्कूल में शनिवार को कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह (फेयरवेल पार्टी) का भव्य आयोजन किया गया। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जहाँ सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांधा, वहीं विदाई की बेला में छात्र-छात्राएं भावुक नजर आए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपखंड कार्यालय के अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के.सी. कविया थे। अध्यक्षता सेवानिवृत्त शिक्षक उमेश शर्मा ने की। संस्था निदेशक अनिल दाधीच व लेफ्टिनेंट आर.डी. शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सचिव अरविंद दाधीच ने मंच संचालन की कमान स्कूली छात्राओं को सौंपी। जूनियर छात्रों ने सीनियर साथियों का गुलाब भेंट कर स्वागत किया। विभिन्न रोचक खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए 12वीं के बच्चों का मनोरंजन किया गया। इस दौरान कक्षा 11वीं की ओर से यादगार स्वरूप उपहार भेंट किए गए, वहीं 12वीं के छात्रों ने स्कूल के अपने अनुभव साझा करते हुए शिक्षकों के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मुख्य अतिथि के.सी. कविया ने बच्चों को कहा कि 'जीवन के अगले सफर में स्वयं के विवेक से फैसले लें और संभलकर आगे बढ़ें।' निदेशक अनिल दाधीच ने कहा 'स्कूल के द्वार आपके लिए हमेशा खुले हैं, किसी भी समस्या पर स्टाफ सदैव सहयोग को तैयार रहेगा।' प्रबंध निदेशक आर.डी. शर्मा ने बताते हुए कहा कि 'जीवन में स्कूल द्वारा दिए गए संस्कारों का दामन कभी न छोड़ें। उसके साथ आगे बढ़े। इस अवसर पर विद्यालय का समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित रहें।

नवगठित सहकारी समिति के चेयरमैन भूपेन्द्र गुलझारी ने किया पदभार ग्रहण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

डुमोली खुर्द क्षेत्र की नवगठित सहकारी समिति के नवनिर्वाचित चेयरमैन भूपेन्द्र गुलझारी (भूपसिंह) ने गुरुवार को विधिवत रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों सामाजिक कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम उत्साह और विश्वास के माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूरजगढ़ विधायक श्रवण कुमार रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस मानसिंह सहारण ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में बुहाना प्रधान हरीकृष्ण यादव एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राहुल जाखड़ महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव नीतु वर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन मुन्शीराम जांगिड़ ने किया। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान अतिथियों ने चेयरमैन भूपेन्द्र गुलझारी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सहकारी समितियां ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ होती हैं और इनके माध्यम से किसानों मजदूरों व आम ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलता है। वक्ताओं ने उम्मीद जताई कि भूपेन्द्र गुलझारी अपने अनुभव और जनसेवा की भावना से समिति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे और पारदर्शिता के साथ विकास कार्यों को गति देंगे। मुख्य अतिथि विधायक श्रवण कुमार ने कहा कि सहकारी आंदोलन से गांवों में आर्थिक सशक्तिकरण को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि समिति के माध्यम से किसानों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले इसके लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मानसिंह सहारण ने कहा कि चेयरमैन भूपेन्द्र गुलझारी जमीन से जुड़े हुए नेता हैं और वे समिति को जनहित के केंद्र के रूप में विकसित करेंगे।

इस अवसर पर ढाणा सरपंच विकास सैनी पंचायत समिति सदस्य अमरसिंह नेहरा पूर्व सरपंच महावीर बुहाना के पूर्व सरपंच रोहिताश्व तंवर रामसिंह छावड़ी संगठन महामंत्री रविन्द्र दत्त कुलदीप यादव सुनील छावड़ी नगर अध्यक्ष धर्मपाल सैनी मंडल अध्यक्ष बाबूलाल कालोडिया वाइस चेयरमैन भगवानाराम महीपाल मीणा पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष योगेश गुर्जर सुमेर गुर्जर भोदन हरिराम स्वामी सुखदेव पोसवाल सत्यनारायण बोहरा बंशीधर महेंद्र डेलीगेट सत्यनारायण मुकदम लीलाराम रामरतन हवलदार राजेन्द्र कमांडो प्रभुदयाल प्रतापसिंह थानेदार धर्मपाल पटेल सुबे प्रकाश ग्यारसीलाल घम्मन सुबेदार सत्यनारायण सैन सतन जांगिड़ मान सेठ शिवचरण सेठ सुबे जगदीश ओंकारमल शीशराम शर्मा विजय पटेल महेश नेता महावीर डाकिया हनुमान शर्मा गुगनराम पूर्णमल सेठ ओमप्रकाश नम्बरदार बनवारी चनीजा प्रभुदयाल मेघवाल नेतराम दौराता महेश जांगिड़ बीरबल प्रकाश जोशी ओमप्रकाश शर्मा सुभाष कुमावत प्रमोद शर्मा दरियासिंह सैन सतीश छावड़ी हवासिंह सुनील जितेश जांगिड़ संदीप नवीन कुमार रोहित रविन्द्र कपिल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। पदभार ग्रहण के बाद चेयरमैन भूपेन्द्र गुलझारी (भूपसिंह) ने सभी अतिथियों जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे वे पूरी ईमानदारी पारदर्शिता और निष्ठा के साथ निभाएंगे। उन्होंने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य किसानों व ग्रामीणों को योजनाओं का सीधा लाभ दिलाना और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समिति में किसी के साथ भेदभाव नहीं होगा और सभी के हितों का समान रूप से ध्यान रखा जाएगा। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने चेयरमैन को शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि उनके नेतृत्व में सहकारी समिति क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और गांवों में नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे।

खालासी में विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर हुई बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । आगामी 8 फरवरी को आयोजित होने वाले विराट हिंदू सम्मेलन को लेकर रविवार को मंडावा के निकटवर्ती ग्राम खालासी में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सर्व हिंदू समाज के सभी वर्गों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए सज्जन लाल शर्मा ने कहा कि सम्मेलन को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने के लिए प्रत्येक गांव के प्रत्येक घर से अधिकतम सहभागिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। कार्यक्रम संयोजक विद्याधर सैनी ने कहा कि समाज को जाति और बिरादरी से ऊपर उठकर एकजुट होना होगा तथा सभी को एक जाजम पर बैठकर समाजहित में कार्य करना चाहिए।समाजसेवी सीताराम सैनी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सम्मेलन में मातृशक्ति एवं बच्चों की भागीदारी भी सुनिश्चित की जानी चाहिए, सामाजिक समरसता मजबूत होनी चाहिए। इस अवसर पर जितेंद्र सुरोलिया ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का परिचय करवाया। इस अवसर पर विक्रम सिंह राठौड़, सत्यपाल जी भूकल, भरत सिंह राठौड़, उपेंद्र सिंह राठौड़, राजेंद्र सिंह, महिपाल सिंह, सोनू सिंह, मोनू सिंह, सिकेंद्र, मोंटी, ओमप्रकाश मीणा, मोंटी मीणा, दुलीचंद सैनी, सुभाष सैनी, उमेश भूकल, आशीष मीणा, अमन मीणा, रमेश मीणा, राहुल भूकल, मनोज सिंह रवि बन्ना किशोर सिंह आदि उपस्थित थेरामकुमार भीमसर, दयानंद मीणा, रामनिवास मीणा, शीशपाल मीणा, शिवचंद मीणा, अमरचंद मीणा,रोहताश मीणा, लोकेश मीणा, ओमप्रकाश मीणा, संदीप मीणा, जीवणराम मीणा, कुलदीप मीणा, सुभाष मीणा, सुरेंद्र मीणा, महावीर मीणा, हनुमान मीणा,सतकुमार मीणा, अनिल मीणा, रामचंद्र मीणा बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहें।

भगवान केवल भाव के भूखें-प्रियांशु चैतन्य महाराज

नानी बाई रो मायरो में उमड़ी श्रद्धा, श्रद्धालु भक्त थिरके श्रद्धा के साथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

कस्बे के माहेश्वरी भवन में काबरा परिवार द्वारा आयोजित नानी बाई रो मायरो के दूसरे दिन रविवार को व्यासपीठ से प्रियांशु चैतन्य महाराज ने कहा भगवान तो केवल भाव के ही भूखे होते हैं। भगवान को सच्चें मन और विश्वास के साथ यदि याद करें तो ठाकुरजी हमेशा भक्त की लाज रखते हुए कारज पूरा करते हैं।

महाराज ने दूसरे दिन की कथा में नरसी भगत की ओर से मायरो की तैयारी का प्रसंग सुनाते हुए बताया कि मायरे के लिए भाई बंधुओं, कुटुम्ब कबिले वालों व गांव वालों को निमंत्रण देते हैं तो वे सभी नरसी भगत का सहयोग करने की बजाय असहयोग करते हुए खिल्ली उड़ाते हैं लेकिन नरसी भगत को ठाकुरजी का साथ होने और मायरा भरने का विश्वास था। उन्होंने बताया कि व्यक्ति को कर्म करना चाहिए बाकी ठाकुरजी पर छोड़ दे सब अच्छा ही होता है। उन्होंने बताया कि भक्ति नरसी जैसी हो तो ठाकुरजी जी के नाम हुंडी भी चलती है। उन्होंने बताया कि भगवान के प्रति नरसी भगत,मीराबाई, भक्त प्रहलाद जैसी भक्ति और विश्वास होना जरूरी है। माहेश्वरी भवन में सीए संजय अंजु काबरा परिवार की ओर से आयोजित नानी बाई रो मायरो कथा के दौरान श्रद्धा उमड़ पड़ी तथा श्रद्धालु भक्त श्रद्धा के साथ थिरकते नजर आयें। नानी रो मायरो में दूसरे की कथा में काबरा परिवार की ओर से विजय रघुनाथ जी का मंदिर बिदावत मंदिर महंत दिलीपदास महाराज, अखिल राज्य ट्रेंड एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु भूत, माहेश्वरी समाज सीकर के पूर्व अध्यक्ष दिनेश बियाणी, मुम्बई प्रवासी संदीप कुमार अग्रवाल, दिनेश जसरासिया, राजकुमार चाकलाण रतनगढ़, राजकुमार शर्मा सीकर, दीपक बियाणी सीकर, व्यवसायी सुशील जाजोदिया, श्यामसुंदर खादूवाला, सुरेश कुमार, ओमप्रकाश जगाका, विष्णु कर्वा जसवंतगढ़, जयप्रकाश सरावगी, रघुनाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय प्राचार्य डॉ पूनमचंद जोशी, पवन सुरेखा, अमित अग्रवाल गोहाटी, डॉ शांतनु, सुरुचि लड्ढा, संदीप जोशी, सुरेंद्र शर्मा, माहेश्वरी समाज के संरक्षक रामस्वरूप सोमानी, तोदी महाविद्यालय सचिव डॉ आशकरण शर्मा आदि का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के जिला मंत्री जयशंकर जोशी, नथमल भंडारी, रघुनाथ उच्च माध्यमिक विद्यालय उप प्राचार्य अरुणा शर्मा, अनुराधा शर्मा, सन्तोष काबरा, महेश्वरी समाज अध्यक्ष अनिल सोमानी, कमल तोदी, राजकुमार जालान सहित काफी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। माहेश्वरी भवन रविवार को रात्रि में बसंतोत्सव का रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नि:शुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा शिविर में 119 रोगी हुए लाभान्वित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ नागरिक परिषद की ओर से यहां सेवा मन्दिर भवन में रविवार को एक दिवसीय नि:शुल्क चिकित्सा एवं स्वास्थ्य-परामर्श शिविर लगाया गया जिसमें 119 रोगी लाभान्वित हुए। परिषद की स्थानीय इकाई के अध्यक्ष विष्णु भूत व सचिव निशान्त गोयनका ने बताया कि शिविर में 54 नेत्र रोगियों की जांच कर आपरेशन योग्य व्यक्तियों का चयन किया गया जिनका आपरेशन सीकर स्थित टीबड़ा आई हॉस्पिटल एवं रेटिना सेंटर में परिषद के खर्च पर फेको पद्धति से कराया जाएगा। शेष नेत्र रोगियों को दवा दी गई। इनके अलावा शिविर में 28 रोगियों ने आयुर्वेद चिकित्सा का लाभ उठाया जबकि शेष रोगी ईसीजी, ब्लड शुगर व ब्लड प्रेशर जांच, जनरल फिजिशियन, बवासीर, स्त्री रोगोपचार, दंत चिकित्सा व अन्य स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित हुए। शिविर में आये सभी रोगियों को चिकित्सकों के परामर्श पर सात दिन की दवाइयां मुफ्त दी गई। महिला प्रकोष्ठ सचिव सोनू सोमानी व युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुनील बूबना ने बताया कि जयपुर से आए सीकेएस हॉस्पिटल तथा सीकर स्थित टीबड़ा नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सकों व सहकर्मियों ने शिविर में अपनी सेवाएं दी। इसी क्रम में परिषद से जुड़े वैद्य लालचन्द शर्मा व वैद्य पूजा कुशवाहा तथा दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक खीरवाल की नि:शुल्क सेवाएं भी शिविर में विशेष रूप से सुलभ कराई गई थी। शिविर समन्वयक जयपुर स्थित श्री श्याम महोत्सव सेवा समिति के संस्थापक ओमप्रकाश मोदी तथा नागरिक परिषद की स्थानीय इकाई के अनिल सोमानी, प्रवीण वर्मा, प्रहलाद अग्रवाल, युवा प्रकोष्ठ के मेहुल खेड़िया, हितेश शर्मा, सौरभ झांकल, विकास चोटिया तथा महिला प्रकोष्ठ की डॉ. निरूपमा उपाध्याय, शोभा शर्मा तथा अरूणा पाराशर ने रजिस्ट्रेशन करने, मरीजों को सम्बन्धित कक्ष तक पंहुचाने, दवा वितरण आदि विभिन्न कार्यों के व्यवस्थित संचालन में अपनी सेवाएं दी। परिषद के सेवाकर्मी आशीष पाराशर, विकास सैनी, पवन शर्मा, आनंद चूड़ीवाला, नरेश सैनी, बाबूलाल बिजारणिया व श्यामसुन्दर चमड़िया ने भी शिविर संचालन में सहयोग किया। हर माह के अंतिम रविवार को लगने वाला अगला शिविर 22 फ़रवरी को सेवा मन्दिर भवन में आयोजित होगा।

'कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम' के जरिए OTP और बैंक कॉल हाइजैक कर खाते खाली कर रहे हैं साइबर ठग

कूरियर/डिलीवरी एजेंट बनकर स्स्ष्ठ कोड डायल करवाना बन रहा है ठगी का नया हथकंडा

कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम को लेकर पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस की जनहित साइबर एडवाइजरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने आमजन को साइबर अपराध की एक नई और गंभीर ठगी की तकनीक 'कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम' को लेकर सतर्क किया है। उन्होंने बताया कि आज के समय में मोबाइल फोन हमारी बैंकिंग, डिजिटल भुगतान और व्यक्तिगत पहचान से सीधे जुड़ा हुआ है। इसी का फायदा उठाकर साइबर अपराधी लोगों को झांसे में लेकर उनके मोबाइल की कॉल फॉरवर्डिंग एक्टिव करवा देते हैं और फिर OTP व बैंक कॉल अपने नंबर पर मंगवाकर खातों से पैसे निकाल लेते हैं।

क्या है कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम और कैसे दिया जाता है धोखे को अंजाम - इस प्रकार के साइबर फ्रॉड में ठग खुद को किसी नामी कूरियर या डिलीवरी कंपनी का एजेंट बताकर आम नागरिक को कॉल करते हैं। वे पार्सल कन्फर्म करने, डिलीवरी री-शेड्यूल करने या पते की पुष्टि का बहाना बनाते हैं। भरोसा जीतने के बाद वे पीड़ित को एक खास स्स्ष्ठ कोड डायल करने को कहते हैं, जो आमतौर पर 21, 61, 67 या 401 से शुरू होता है। जैसे ही व्यक्ति यह कोड डायल करता है, उसके मोबाइल में कॉल फॉरवर्डिंग अपने आप एक्टिव हो जाती है और उसके फोन पर आने वाली सभी कॉल, बैंक से संबंधित OTP, ट्रांजेक्शन अलर्ट और सोशल मीडिया ऐप्स की वेरिफिकेशन कॉल सीधे साइबर ठगों के नंबर पर पहुंचने लगती हैं।

कॉल फॉरवर्डिंग स्कैम के खतरनाक परिणाम - इस स्कैम का सबसे बड़ा खतरा यह है कि पीड़ित को बिना जानकारी हुए उसके बैंक खाते, PI, व्हाट्सएप, टेलीग्राम और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म तक ठगों की पहुंच बन जाती है। कई मामलों में तब तक ठगी का पता चलता है, जब तक खाते से बड़ी रकम निकल चुकी होती है या सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो चुका होता है।

थाना सदर टोहाना पुलिस की कार्रवाई : शादी के दबाव और धमकी देने के मामले में आरोपी काब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में थाना सदर टोहाना पुलिस ने शादी के लिए दबाव डालने और धमकियां देने के मामले में आरोपी हरपाल खां पुत्र छोटा खां, निवासी फतेहपुरी को काबू किया। आरोपी को नियमानुसार न्यायालय में पेश किया जाएगा। थाना सदर टोहाना प्रभारी उपनिरीक्षक शादी राम ने बताया कि महिला शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि आरोपी पिछले कुछ समय से लगातार उनके ऊपर शादी के लिए दबाव डाल रहा था और धमकियां दे रहा था। आरोपी ने कहा कि यदि वह उससे शादी नहीं करेगी तो वह आत्महत्या करेगा और उसके परिवार को नुकसान पहुँचाएगा। इसके साथ ही आरोपी ने जातिगत अपशब्दों का प्रयोग करते हुए हिंसक धमकियां भी दीं। शिकायत मिलने पर पुलिस ने तुरंत कार्यवाही करते हुए पीड़िता का बयान महिला अधिवक्ता की उपस्थिति में दर्ज किया। जांच में पाया गया कि आरोपी का व्यवहार महिला के लिए मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना का कारण बना। जांच के आधार पर थाना सदर टोहाना में अभियोग संख्या 15/2026, धारा 78, 351(3) बीएनएस और 3(1)(S) SC/ST Act के तहत मामला दर्ज किया गया। मामले में आगे की जांच जारी है और नियमानुसार आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

गणतंत्र दिवस को लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रम में बजरंग माडल स्कूल के बच्चों ने मचाया धमाल

हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की भावना हमेशा हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । आजाद नगर स्थित सर्वश्रेष्ठ विद्यालयों में से एक बजरंग माडल स्कूल प्रांगण में गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के निदेशक विनय वर्मा व प्राचार्या अंजु वर्मा ने संयुक्त रूप से देश की आजादी में अपनी भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया। उसके बाद छात्रों ने स्वागत गीत एवं राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत के साथ की गई। स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ' मैं रहूं या ना रहूं गीत ', 'हर करम अपना करेंगे,' 'बड़ा निक लागे अपना देशवा के माटी ', 'योद्धा बन गई मैं 'नृत्य सहित विभिन्न देशभक्ति गीतों पर कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का अपनी प्रस्तुति से दिल जीत लिया। विद्यालय के प्रबंधक विनय वर्मा ने कहा कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की भावना हमारा मार्गदर्शन करती रहेगी। क्योंकि हम एक मजबूत, अधिक समृद्ध भारत का निर्माण कर रहे हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्यों का अहम योगदान रहा। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को स्कूल समिति द्वारा पुरस्कार व मैडल देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राएं और स्टाफ सदस्य उपस्थित रहें।

बीकानेर को हराकर झुंझुनूं आईटी स्टार फाइनल में पहुंची

कपिल झाझडिया की नाबाद 78 रनों की तूफानी पारी, बने मैन ऑफ द मैच

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं/जयपुर।

सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग के तत्वावधान में 17 से 26 जनवरी तक जयपुर में आयोजित राजस्थान आईटी लीग 2026 में झुंझुनूं आईटी स्टार्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल मुकाबले में बीकानेर को 5 विकेट से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। झुंझुनूं आईटी यूनियन के जिला अध्यक्ष एवं मैनेजमेंट कमेटी सदस्य वेदप्रकाश नुनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पहले बल्लेबाजी करते हुए बीकानेर टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 139 रन बनाए। झुंझुनूं की ओर से प्रमोद कुमार, जोगेंद्र भालोठिया और विकास गुर्जर ने दो-दो विकेट जबकि राकेश डांगी ने एक विकेट प्राप्त किया। लक्ष्य का पीछा करते हुए झुंझुनूं आईटी स्टार्स ने 19.2 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत दर्ज की। टीम की जीत के नायक कपिल झाझडिया रहे, जिन्होंने 58 गेंदों पर नाबाद 78 रन की शानदार पारी खेली। दिलीप ओलखा ने भी उपयोगी योगदान देते हुए 34 रन बनाए। शानदार प्रदर्शन के लिए कपिल झाझडिया को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com